SAMPLE QUESTION PAPER - 4
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

सड़क मार्ग से हम आगे बढ़े और सरयू पुल पर से बस्ती जिले की सीमा में प्रवेश किया। हमारा पहला पड़ाव कुशीनगर था मगर हम कुछ देर मगहर में रुके जो कबीर की निर्वाण भूमि है मगर लोगों की फिरकापरस्ती ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है और उन्हें मंदिर और मकबरे में बाँट दिया है। मठ के महंत ने हमारे भोजन की व्यवस्था की और आस-पास के स्कूल और कॉलेज की लड़कियों से मुलाकात भी कराई। उनसे बातचीत कर के हमने जाना कि अब स्थितियाँ बदल गई हैं अब लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाता है मगर उनमें सामाजिकता का लोप सा हो गया है अब ब्याह और मरनी-हरनी में एका नजर नहीं आता। गीतों की बात चली तो वहाँ मौजूद पचास-साठ लड़कियों में से किसी को भी लोकगीत याद नहीं थे।

वहाँ से हम कुशीनगर पहुँचे। रात घिरने लगी थी मगर हम पंडरी गाँव के लोगों से मिले। कुशीनगर से लगभग बीस किलोमीटर होने पर भी यहाँ विकास का एक कण भी नहीं पहुँचा था मगर यहाँ के युवा सजग हैं, वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं। रात को हम बौद्ध मठ में ठहरे। यह मठ किसी शानदार विश्रामगृह से कम नहीं था। सुबह हम केसरिया गाँव गए। सामाजिक और पारिवारिक विघटन के इस दौर में एकमात्र संयुक्त परिवार वहाँ मिला। हमने उनसे बात की। उस परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई की अनुपम थाती थी मगर उनसे सीखने वाला कोई नहीं था। नई पीढ़ी लोक संस्कृति से विरत थी।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): कुशीनगर में बौद्ध मठ एक शानदार विश्रामगृह जैसा था।

कारण (R): बौद्ध मठ में ठहरने के बाद वहां के लोग सामाजिक और पारिवारिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. कुशीनगर यात्रा के दौरान कुछ खास बातें देखी गईं, उनमें से सही विकल्प का चयन कीजिए:

I. कुशीनगर में लोग सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं से चिंतित थे।

II. वहाँ के युवा अपने स्वप्रयास से स्कूल चला रहे थे।

III. लड़कियों को लोकगीतों का ज्ञान था।

IV. बस्ती जिले के लोग धार्मिक आधार पर बंटे हुए थे।

विकल्प:

i. केवल I और II सही हैं।

ii. केवल II और IV सही हैं।

iii. केवल I, II और IV सही हैं।

iv. केवल II और III सही हैं।

3. नीचे दिए हुए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. कबीर की निर्वाण भूमि	1 - कुशीनगर
II. सामाजिक और पारिवारिक विघटन	2 - मगहर
III. सुंदर बौद्ध मठ	3 - केसरिया गाँव

विकल्प:

i. I (2) II (3) III (1)

ii. I (3) II (1) III (2)

iii. I (2) II (1) III (3)

iv. I (1) II (3) III (2)

4. लेखक ने पंडरी गाँव की क्या विशेषता बताई? (2)

5. केसरिया गाँव में मिले एकमात्र संयुक्त परिवार के बारे में लेखक को क्या पता चला? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

राम और रावण दोनों की राशि थी एक,
रावण जहाँ दुष्ट था वहाँ राम थे नेक।
रावण के पास थी अकूत संपत्ति,
जब कि राम के पास केवल सन्मति।
रावण ने हरण जानकी का किया था,
और परिचय कायरता का दिया था।
दशानन का छोटा भाई था विभीषण,
वहीं राम के प्रिय थे अनुज लक्ष्मण।
रावण ने विभीषण का किया तिरस्कार,
इसीलिए रावण का हुआ बंटाढार।
विभीषण जानता था रावण के भेद,
इसीलिए राम रावण को जीत पाए।
राम लौटे लंका से जीत का डंका बजाए,
तभी कहते हैं घर का भेदी लंका ढहाए।

i. रावण के बंटाधार का मुख्य कारण क्या था? (1)

(क) राम का शक्तिशाली होना

(ख) रावण का दुष्ट होना

(ग) अपने छोटे भाई विभीषण का तिरस्कार करना

(घ) जानकी का हरण करना

ii. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): रावण और राम दोनों की राशि एक थी, लेकिन उनके गुण भिन्न थे।

कारण (R): रावण के पास संपत्ति और शक्ति थी, जबकि राम के पास सन्मति और नैतिकता।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

iii. काव्यांश के अनुसार, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. रावण ने विभीषण का तिरस्कार किया, जिससे उसकी हार निश्चित हो गई।

II. राम और रावण की राशि एक जैसी थी, लेकिन उनके चरित्र में अंतर था।

III. विभीषण ने रावण के भेद जानकर राम की मदद की।

IV. रावण की हार के कारण राम की नैतिकता और सन्मति थी।

विकल्प:

(क) केवल I और II सही हैं।

(ख) केवल II, III और IV सही हैं।

(ग) केवल I और III सही हैं।

(घ) केवल I और IV सही हैं।

iv. राम की रावण पर विजय का रहस्य क्या था? (2)

v. इस कविता में क्या संदेश दिया गया है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. सब कुछ हो चुका था, सिर्फ नाक नहीं थी। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए)

ii. थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाते थे। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

iii. जब हम बनावटी चिड़ियों को चट कर जाते, तब बाबूजी खेलने के लिए ले जाते। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर लिखिए और उसका भेद भी लिखिए)

iv. कानाफूसी हुई और मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

v. सबुह होते ही चिड़ियाँ चहचहाने लगीं। (संयुक्त वाक्य)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. हमने मैया के आँचल की छाया न छोड़ी। (कर्मवाच्य में)

ii. गुरुजी द्वारा हमारी ख़ूब ख़बर ली गई। (कर्तृवाच्य में)

iii. जवाब नहीं दिया। (कर्मवाच्य में)

iv. लड़का नहीं हँसा। (भाववाच्य में)

v. कूजन कुंज में आसपास के पक्षी संगीत का अभ्यास करते हैं। (कर्मवाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. दादी जी प्रतिदिन समाचार पत्र <u>पढ़ती हैं</u>।

ii. रोहन <u>यहाँ</u> नहीं आया था।

iii. <u>वे</u> मुंबई जा चुके हैं।

iv. <u>परिश्रमी</u> अंकिता अपना काम समय से पूरा कर लेती है।

v. <u>रवि</u> रोज सवेरे दौड़ता है।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. हरि पद कोमल कमल से।

ii. राम नाम मनि-दीप धरु, जीह देहरी दवार,
एक राम घनश्याम हित चातक तुलसीदास।

iii. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

iv. हनुमान के पूँछ में लग न सकी आग लंका सिगरी जल गई, गए निशाचर भाग।

v. मेघ आये बड़े बन-ठन के संवर के।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते, गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

i. प्रभातियाँ किसे कहते हैं?

i. तड़के नहाना

ii. भोर का गीत

iii. सुबह टहलना

iv. बातचीत करना

क) कथन i, ii, iii व iv सही है। ख) कथन ii सही है।

ग) कथन ii व iii सही है। घ) कथन i सही है।

ii. बालगोबिन भगत की कार्तिक महीने में शुरू होने वाली गतिविधियों में शामिल है-

क) नदी स्नान ख) खंजड़ी बजाना

ग) सभी विकल्प सही हैं घ) जल्दी उठना

iii. वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?

क) निर्जन स्थान होने के कारण ख) सुहाने मौसम के कारण

ग) ठंड के कारण घ) कुहासे के कारण

iv. लेखक बालगोबिन भगत को देखकर आश्चर्य चकित क्यों हो जाता है?

क) दिनचर्या और कारनामे को देखकर ख) ठंड और कुहासे को देखकर

ग) उनके पागलपन को देखकर घ) उनका गाना सुनकर

v. **कथन (A):** तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।
कारण (R): कबीर के गानों को पूरी तन्मयता, और नाच-नाच के गाने के ठंड में भी श्रमबिंदु झलकते हैं।

क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. वाक्य पात्र की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करता है- कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था। **[2]**

ii. मन्नू भंडारी की माँ का त्याग उनका आदर्श नहीं बन सका, क्यों? **[2]**

iii. नवाब साहब खीरे को बाहर फेंककर गर्व से क्यों भर उठे? लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. वास्तविक अर्थों में **संस्कृत व्यक्ति** किसे कहा जा सकता है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास।

i. पद्यांश में **मधुप** शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

क) कवि के लिए	ख) लेखक के लिए
ग) भौंरे के लिए	घ) कवि के मन के लिए

ii. मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ का अर्थ है-

क) जीवन में सुख का स्थान दुःख ने ले लिया है	ख) वसंत ऋतु समाप्त हो गई है
ग) जीवन में दुःख का स्थान सुख ने ले लिया है	घ) पतझड़ आ गया है

iii. कवि अपने जीवन में किससे हरा भरा था?

क) दुःख और सुख से	ख) सुख और आनंद से
ग) दुःख और आनंद से	घ) सुख और निराशा से

iv. **इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास**-का भाव है-

क) अनंत आकाश में	ख) एक दूसरे का मजाक बनाना
ग) न जाने आत्मकथा क्यों लिखी जाती हैं	घ) न जाने कितने लेखकों की आत्मकथा लिखी हुई हैं

v. कवि आत्मकथा लिखने से क्यों मना कर रहा है?

क) वह अपना मज़ाक नहीं उड़वाना चाहता	ख) वह अपना यश नहीं फैलाना चाहता
ग) उसे आत्मकथा लिखना पसंद नहीं है	घ) वह अपना इतिहास नहीं जानता

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **उत्साह** कविता में बादल किनके प्रतीक हैं? कविता के आधार पर दो बिंदुओं को लिखिए। **[2]**

ii. शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की? **[2]**

iii. भाव स्पष्ट कीजिए- **[2]**

और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊचाँ न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

iv. गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन-से परिवर्तन दिखाई दिए, जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं ? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. **माता का अँचल** पाठ से ऐसे दो प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हों। **[4]**

ii. **मैं क्यों लिखता हूँ** पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दैरान हिरोशिमा में सब कुछ देखकर भी तत्काल क्यों नहीं लिखा? अणु-विस्फोट की अनुभूति लेखक को कब हुई? **[4]**

iii. **साना-साना हाथ जोड़ि** पाठ में एशिया के **जल स्तंभ** किन्हें बताया गया है? प्रकृति के जल संचय की प्रक्रिया को अद्‌भुत क्यों कहा गया है? हम प्रकृति के इस ऋण का किस प्रकार प्रतिदान दे सकते हैं? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **आतंकवाद : समस्या और समाधान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- ज्वलंत समस्या क्यों?
- आतंकवाद की जड़
- समाधान क्या हो

ii. **मित्र हो तो ऐसा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- सच्चा दोस्त कौन
- हर मुसीबत का साथी
- प्रशंसा के लायक

iii. **शारीरिक शिक्षा और योग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

13. आपका नाम अंकित/अंकिता है। तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने घर के आप-पास की झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों को स्कूल जाने को प्रेरित करने की योजना समझाते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

14. दिल्ली नगर निगम सिविल लाइंस क्षेत्र, दिल्ली के आयुक्त को प्राथमिक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। आप विकास कुमार ए 2/127, अभिनव इंक्लेव, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली के निवासी हैं। **[5]**

अथवा

किसी विषय के प्रशिक्षण के लिए ईमेल करें।

15. पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए नए-नए उपाय खोजे जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में इलैक्ट्रिक कार बनने लगी हैं। इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने हिन्दी शिक्षक के लिए एक भावपूर्ण संदेश लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. i. केवल I और II सही हैं।
   3. iii. I (2) II (1) III (3)
   4. कुशीनगर के अत्यंत निकट होने के बावजूद पंडरी गाँव में कोई विकास नहीं हुआ है लेकिन वहाँ के युवा सजग हैं और वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं अर्थात अगर वर्तमान सजग है तो भविष्य बेहतर अवश्य होगा।
   5. लेखक को पता चला कि उस संयुक्त परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई के अनुपम धरोहर थी लेकिन नई पीढ़ी इसे सीखने में रुचि नहीं रखती थी अथवा उन रीति -रिवाजों और परम्पराओं का निर्वाह करने वाला कोई नहीं था।
2. i. (ग) रावण के बंटाधार का कारण अपने छोटे भाई विभीषण का तिरस्कार करना था ।
   ii. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iii. (क) केवल I और II सही हैं।
   iv. रावण का छोटा भाई विभीषण रावण से तिरस्कृत होकर राम को रावण की कमजोरियाँ और भेद बता दिए थे, जिसके कारण राम विजयी हो सके। यही रावन पर राम के विजय का रहस्य था|
   v. इस कविता में यह संदेश दिया गया है कि कभी भी गलत कार्य नहीं करना चाहिए और ना ही गलत करने वालो का साथ देना चाहिए|

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. संयुक्त वाक्य
   ii. थोड़ी देर में जब हम लोग मिठाई की दुकान बढ़ा देते तब घरौंदा बनाते।
   iii. आश्रित उपवाक्य - जब हम बनावटी चिड़ियों को चट कर जाते
   भेद - क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य
   iv. मूर्तिकार को कानाफूसी के बाद इजाज़त दे दी गई। / कानाफूसी होने के बाद मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई।
   v. सुबह हुई और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।
4. i. हमसे मैया के आँचल की छाया न छोड़ी गई।
   ii. गुरूजी ने हमारी खूब खबर ली।
   iii. जवाब नहीं दिया गया।
   iv. लड़के से नहीं हँसा गया।
   v. कुंजन कुंज में आसपास के पक्षियों द्वारा संगीत का अभ्यास किया जाता है। (कर्म वाच्य)
5. i. पढ़ती है - सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्त्तमान काल, कर्तृवाच्य
   ii. यहाँ - स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'आया त क्रिया की विशेषता
   iii. वे - अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम,पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
   iv. परिश्रमी - गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य-अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन
   v. रवि - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक
6. i. उपमा अलंकार
   ii. रूपक अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. अतिश्योक्ति अलंकार
   v. मानवीकरण अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुई, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते, गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

(i) **(घ)** कथन i सही है।
व्याख्या:
कथन i सही है।

(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(घ)** कुहासे के कारण
व्याख्या:
कुहासे के कारण

(iv) **(क)** दिनचर्या और कारनामे को देखकर
व्याख्या:
दिनचर्या और कारनामे को देखकर

(v) **(ग)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कैप्टन बार-बार नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने का कारण उसका देशभक्ति की भावना के होने से है। वह वास्तव में हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों खासकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस के प्रति अपने मन में सम्मान की भावना रखता था। इन्हीं भावनाओं के तहत कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर बार-बार चश्मा लगा देता था।

(ii) लेखिका की माँ में कई विशेषताएँ थी फिर भी उनकी माँ उनका आदर्श नहीं बन सकीं क्योंकि माँ पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझकर सहन करती थीं। माँ की असहाय मजबूरी में लिपटा उनका त्याग और सहनशीलता के कारण उन्होंने कभी भी माँ को अपना आदर्श नहीं माना। लेखिका को माँ का ये त्याग और धैर्य उनकी विवशता प्रतीत होता था। उनकी स्थिति से लेखिका के मन में पिता के प्रति विद्रोह-भाव उपजता था।

(iii) खीरे की फाँकों को बाहर फेंकने के बाद नवाब साहब गर्व से भर उठे। उनके चेहरे पर संतुष्टि के मिश्रित भाव झलक रहे थे। मात्र सूंघने से ही तृप्ति का अनुभव कर खिड़की से बाहर खीरा फेंकना उनके रईसी खानदान को प्रदर्शित करता है। ऐसा करने से मानो कहना चाहते हो कि यह है रईसों का खानदानी तरीका। वे लेखक जैसे साधारण आदमी के सामने खीरा जैसा सस्ता फल खाने में भी संकोच करते हैं। इसमें उनकी खानदानी तहजीब, नफासत और नजाकत झलकती है |

(iv) ऐसा व्यक्ति जो अपनी योग्यता और बुद्धि के आधार पर नए तथ्य की खोज करता है, नए सिद्धांत स्थापित करता है, उसके वावजूद भी वह स्वभाव से साधारण एवं विनम्र रहता है संस्कृत व्यक्ति कहलाता है।
उदाहरण के तौर पर देखें तो महानतम वैज्ञानिक न्यूटन ने अपने बुद्धि का उपयोग कर भौतिकी के सबसे मूल नियम जिसे गुरुत्वाकर्षण का नियम कहते हैं को भौतिकी में प्रतिस्थापित किया। इसी कारण उन्हें संस्कृत व्यक्ति कहना उचित होगा। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनमें विशिष्ट गुण होते हैं, जो बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, विनम्र होते हों, साधारण होते हैं, दुनिया एवं समाज को एक बेहतर नजरिये से वे देख पाते हैं एवं उसे समझने की कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति कहलाते हैं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास।

(i) **(घ)** कवि के मन के लिए
व्याख्या:
कवि के मन के लिए

(ii) **(क)** जीवन में सुख का स्थान दुःख ने ले लिया है
व्याख्या:
जीवन में सुख का स्थान दुःख ने ले लिया है

(iii) **(ग)** दुःख और आनंद से
व्याख्या:
दुःख और आनंद से

(iv) **(घ)** न जाने कितने लेखकों की आत्मकथा लिखी हुई हैं
व्याख्या:
न जाने कितने लेखकों की आत्मकथा लिखी हुई हैं

(v) **(क)** वह अपना मज़ाक नहीं उड़वाना चाहता
व्याख्या:
वह अपना मज़ाक नहीं उड़वाना चाहता

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 'उत्साह' कविता में बादल निम्नलिखित का प्रतीक है-

- बादल नवीन चेतना और क्रांति का प्रतीक है।
- बादल लोगों में जोश लाकर नवीन आशा का संचार करने का प्रतीक है।

(ii) शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन को ऐसा प्रतीत होता है कि मानों शिशु के रूप में कमल का पुष्प तालाब छोड़कर उनकी झोपड़ी में खिला है। बालक का सानिध्य पाकर उनके जीवन में सुख का आगमन हुआ है।

(iii) प्रस्तुत कविता 'मंगलेश डबराल' द्वारा रचित "संगतकार" कविता से ली गई है। जिसमे कवि यह बताने का सफल प्रयास कर रहा है कि गायन के दौरान मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। कवि के अनुसार संगतकार की आवाज में संकोच स्पष्ट सुनाई देता है, परन्तु यह उसकी अयोग्यता न होकर अपने मुख्य गायक के प्रति उसका श्रद्धा भाव होता है। इसी श्रद्धा भाव के कारण वह सतर्क रहता है कि उसकी आवाज मुख्य गायक से ऊपर न चली जाए। जिससे मुख्य गायक की पहचान और उसका अस्तित्व कम न हो जाए। मुख्य गायक के मान सम्मान की रक्षा करने में ही वह अपना बड़प्पन समझता है। वह कितना भी उत्तम गायक हो परन्तु स्वयं को मुख्य गायक से कम ही रखता है। कवि ने संगतकार के ऐसे संकोच को उसकी विफलता न बताकर उसे मानवीय गुणों से संपन्न बताया है।

(iv) मथुरा जाने से कृष्ण की सोच में बहुत परिवर्तन आ गया है | वे हमें प्रेम का मार्ग छोड़ योग के मार्ग का संदेश दे रहे हैं। मथुरा जाकर वे कुशल राजनीतिज्ञ बन गये और हम पर राजनीति कर रहे हैं। आप तो आते नहीं और हमें योग सीखने को कह रहे हैं। नीति की अपेक्षा,अनीति का सहारा लेकर हम से दूर हो रहे हैं। इसलिए गोपियाँ अपना मन वापस मांग रही है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) पाठ में ऐसे कई प्रसंग आए हैं जिन्होंने मेरे दिल को छू लिया, उन्हीं में से दो प्रसंग निम्नलिखित हैं-

i. बच्चे का अपने पिता के साथ कुश्ती लड़ना। शिथिल होकर बच्चे के बल को बढ़ावा देना और पछाड़ खा कर गिर जाना। बच्चे का अपने पिता की मूंछ खींचना और पिता का इसमें प्रसन्न होना बड़ा ही आनन्दमयी प्रसंग है।

ii. बच्चों द्वारा बारात का स्वांग रचते हुए समधी का बकरे पर सवार होना। दुल्हन को लिवा लाना व पिता द्वारा दुल्हन का घूँघट उठाने ने पर सब बच्चों का भाग जाना, बच्चों के खेल में समाज के प्रति उनका रूझान झलकता है तो दूसरी और उनकी नाटकीयता, स्वांग उनका बचपना।

(ii) लेखक ने जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा में सब कुछ देखकर भी तुरंत नहीं लिखा, क्योंकि उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से उस घटना की अनुभूति नहीं की थी। अनुभव वह सत्य है जो सीधे जीवन में घटित होता है, जबकि अनुभूति उस सत्य को संवेदना और कल्पना के सहारे आत्मसात करने की प्रक्रिया है। लेखक को अणु-विस्फोट की वास्तविक अनुभूति तब हुई जब उन्होंने सड़क पर टहलते समय जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया देखी, जिसने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। इस तरह की अनुभूति ने लेखक को उस दर्द और त्रासदी को गहराई से समझने और व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया।

(iii) **साना-साना हाथ जोड़ि** पाठ में एशिया के **जल स्तंभ** बड़े-बड़े हिमशिखरों को बताया है। ये हिम शिखर सर्दियों में जल को हिम के रूप में इकठ्ठा करके रखते हैं और जब गर्मियों में पानी के लिए सब तरफ त्राहि-त्राहि मच रही होती है तो यही जल शिखर पिघल कर हमारे कंठों की प्यास बुझाते हैं।

यदि प्रकृति ने बर्फ के माध्यम से जल संचय की व्यवस्था ना की होती तो हमारे जीवन के लिए आवश्यक जल की आपूर्ति सम्भव नहीं थी। प्रकृति के इसी जल संचय की प्रक्रिया को अद्भुत कहा गया है। हम इसका ऋण इस प्रकार चुका सकते हैं कि हम नदियों को गन्दा न करें, पानी को प्रदूषित होने से बचाएँ।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) बन्दूक, मशीन गन, तोपें, एटम बोम, हाईड्रोजन बम, परमाणु हथियार, मिसाइल आदि का अधिक मात्रा में निर्माण होना। आबादी का तेजी से बढ़ना, राजनैतिक, सामाजिक, अर्थव्यवस्था देश की व्यवस्था के प्रति असंतुष्ट, शिक्षा की कमी, गलत संगति, बहकावे में आना आतंकवाद के इसके अलावा बहुत से कारण हो सकते है। आजकल अपनी बात को मनवाने व सही साबित करने के लिए आतंकवाद को ही पहला हथियार बनाया जाता है। आतंकवादी के अंदर समाज, देश के प्रति विद्रोह, असंतोष होता है। भ्रष्टाचार, जातिवाद, आर्थिक विषमता, भाषा का मतभेद ये सब आतंकवाद के मूल तत्व है, इन्हीं के बाद आतंकवाद पनपता है।

आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य सामाजिक व राजनैतिक सिस्टम को आहात पहुँचाना है। आतंकवाद का असर सबसे ज्यादा आम जनता को होता है। जिसमें कितने ही निर्दोष लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आतंकवादी समूह देश की सरकार को बताने के लिए ये सब करते है, लेकिन जिस पर वे ये जुल्म ढाते है, वे उन्हीं के भाई बहन होते है, मासूम होते है, जिनका सरकार, आतंकवाद से कोई लेना देना नहीं होता है। एक बार ऐसा कुछ देखने के बाद इन्सान के मन में जीवनभर के लिए डर पैदा हो जाता है, वो घर से निकलने तक में हिचकता है। माँ को डर लगा रहता है, उसका बच्चा घर वापस आएगा की नहीं।

धर्म को सही ढंग से समझना होगा। मानवजाति धर्म, जातिवाद के भंवर में इस कदर फंस गई है, कि धर्म के उपर इंसानियत के बारे में सोचती ही नहीं है। धर्म हमारी सुविधा के लिए है, धर्म अच्छी शिक्षा, ज्ञान की बातें इंसानियत सिखाता। हमें धर्म, जाति के उपर इंसानियत को रखना चाहिए। दुनिया में प्यार से बड़ी कोई चीज नहीं है, कहते है 'भगवान् प्यार है, प्यार ही भगवान् है'। गॉड ने हमें अपने आस पास अपने पड़ोसी से प्यार करने की शिक्षा दी है, वो हमें कहता है "दूसरों की गलती माफ़ करो जैसे मैं करता हूँ"। सबका समान रूप से सम्मान करो। अगर हम भगवान की बात का सही मतलब समझेंगे, तो देश दुनिया से आतंकवाद जैसी कुरीथियां निकल जाएगी और चारों तरफ प्यार होगा।

(ii) **मित्र हो तो ऐसा**

एक अच्छा दोस्त 100 पुस्तकों के बराबर होता है; ऐसा स्वयं श्री ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी का मानना था। क्योंकि हम पुस्तकों को पढ़ सकते हैं, उनसे सीख सकते हैं परंतु उन बातों को प्रयोग में ला रहे हैं कि नहीं यह कोई और नहीं अपितु हमारे दोस्त ही समझ पाते हैं। हम पर हमारे

संगत का असर इस कदर पड़ता है कि, कोई बच्चा या तो बन ही जाता है या बिगड़ ही जाता है। कई बार जो एक अभिभावक नहीं सिखा पाते, बच्चे अपने दोस्तों से सीख आते हैं। एक अच्छा दोस्त खुद तो अच्छे पथ पर चलता ही है और साथ ही अपने दोस्तों को भी अच्छी आदतें सिखाता है और अपने दोस्तों को भी गलत मार्ग पर जाने से रोकता है। शायद इसी वजह से जीवन में अच्छे दोस्तों का होना बेहद आवश्यक होता है। एक सच्चे मित्र के कुछ गुण होते हैं जैसे कि; वे कभी भी किसी से अपने मित्रों कि बुराई नहीं करते, वे आपके पीठ पीछे आपकी बातें नहीं करते, किसी भी तरह कि मुसीबत में आपको अकेला नहीं छोड़ते, बेमतलब की बातों पर बहस नहीं करते, आपकी हालातों का कभी फायदा नहीं उठाते, आदि। एक अच्छा मित्र इतनी आसानी से नहीं मिलता थोड़ा त्याग खुद भी करना पड़ता है और अगर आपके पास ऐसा मित्र है तो उसकी कद्र अवश्य करें। वे स्वयं भगवान का प्रसाद होते हैं, जो जीवन के कठिन परिस्थितियों में इस कदर मदद कर जाते हैं कि आप आजीवन उन्हें भूल नहीं पाते। अगर भगवान ने आपको कुछ अधिक दिया है तो सदैव दूसरों कि मदद करें और एक अच्छे मित्र का उदाहरण आप भी बनें।

(iii) **शारीरिक शिक्षा और योग**

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मन रखने के लिए, हर एक व्यक्ति को नियमित शारीरिक व्यायाम की आवश्यकता होती है। यह मन को शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।

कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।

शारीरिक शिक्षा आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

13. सेवा में,

संपादक महोदय,
महाराष्ट्र टाइम्स
मुंबई

विषय: निःशुल्क शिक्षण की सराहना हेतु पत्र

महोदय,

मेरा नाम अंकित है। मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। मुझे आपके समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले प्रत्येक लेख, समाचार तथा अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ पड़ना अच्छा लगता है। मैं आपको पत्र के माध्यम से यह अवगत कराना चाहता हूँ कि प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु आर्थिक हृष्टि से कमज़ोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है। इससे कई प्रभावशाली छात्र नौकरियाँ पाकर अपने परिवार को आर्थिक मदद दे सकेंगे। इस कार्य के लिए में प्रदेश सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ। आपकी सफल प्रशासनिक पहलों और शिक्षाधिकारियों के परोपकारी कार्य के लिए ऐसी प्रदेश सरकार को सम्मानित करना चाहिए। जो अपनी कर्तव्य निष्ठा व परोपकार निभाते है।

सधन्यवाद
भवदीय
अंकित कुमार
55/5, सरोजिनी नगर, मुंबई।
दिनांक: 25 अक्टूबर 2023

अथवा

परीक्षा भवन,
मथुरा
दिनांक 05-03-2019
प्रिय मित्र अंकित,
सप्रेम नमस्कार।

मुझे यह देखकर बहुत वेदना होती है कि मेरे घर के आस-पास झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले अधिकांश बच्चे स्कूल नहीं जाते तथा उनके माता-पिता उन्हें काम पर भेज देते हैं। हमारे देश में 14 साल तक के बच्चों से काम करवाना अपराध है तथा अनिवार्य शिक्षा देने की बात संविधान में है तथापि इस नियम का उल्लंघन धड़ल्ले से होता है।

मैंने अपने कक्षाध्यापक से इस विषय में बात की है। उन्होंने हम पाँच विद्यार्थियों की एक टोली गठित कर दी जो सभी मेरे मोहल्ले के निवासी हैं तथा सहपाठी भी हैं। हम सबने यह तय किया है कि स्कूल न जाने वाले बच्चों के माँ-बाप को हम यह बताएँगे कि सरकार ने अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की है तथा वे पढ़ा-लिखाकर अपने बच्चों के भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

यही नहीं मैंने अपने पिताजी को भी अपने अभियान में साथ ले लिया है और ऐसे बच्चों को लेकर हम पास के स्कूल में जाकर उनका दाखिला करवा देंगे। उन्हें देखकर अन्य ऐसे बच्चों एवं अभिभावकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

आशा है तुम मेरी इस योजना से सहमत होगे। तुम्हारा मथुरा आने का क्या कार्यक्रम है, मुझे सूचित करें क्योंकि मैं तुमसे मिलने को उत्सुक हूँ।
पत्रोत्तर की प्रतीक्षा रहेगी।

तुम्हारा मित्र,
दिनेश

14. प्रति,
आयुक्त
दिल्ली नगर निगम
सिविल लाइंस क्षेत्र
16, राजपुर रोड, दिल्ली।
विषय- प्राथमिक अध्यापक पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 20xx के 'जनसत्ता' दैनिक समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि सिविल लाइंस क्षेत्र में प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के लिए अध्यापकों के कुछ पद रिक्त हैं। मैं भी इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण इस प्रकार है-
नाम - गोविन्द कुमार
पिता का नाम - श्री राम रतन
जन्मतिथि - 10 अक्टूबर, 1992
पता - A2/127, अभिनव इंक्लेव, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	78%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2009	85%
जे.बी.टी.	डाइट केशवपुरम, दिल्ली	2011	70%
कम्प्यूटर कोर्स	एकवर्षीय	2012	
सीटी. ई. टी	सी०बी०एस०ई०	2013	67%

अनुभव- नवोदय शिक्षा संस्थान में प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने का एक साल का अनुभव।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचार करते हुए सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
सधन्यवाद
भवदीय
गोविन्द कुमार
हस्ताक्षर .....
दिनांक 08 मई, 20xx
संलग्न- शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की छाया प्रति।

अथवा

From : prema14@gmail.com
To : hr90@gmail.com
CC :
BCC :
विषय - कंप्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु जानकारी
अभिवादन,
आपका चयन कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हुआ है। आपको प्रशिक्षण अवधि के लिए भुगतान किया जाएगा। आपका प्रशिक्षण मंगलवार 19 मार्च, 2021 से शुरू होगा। जब आप प्रशिक्षण के लिए आएँ तो अपने साथ नीचे दिए गए दस्तावेजों की प्रतियाँ लेकर आएँ। यह दस्तावेज आपको विभाग में जमा करने होंगे
आवश्यक दस्तावेज:- पासबुक, आधार कार्ड, पेन कार्ड
धन्यवाद
प्रेमा

पेश है नई टेक्नोलॉजी से युक्त बाबा इलेक्ट्रिक कार

कारों की दुनिया में एक अनोखा और बेमिसाल प्रयोग
1200 सीसी के इंजन के साथ
आकर्षक डिजाईन, अत्याधुनिक तकनीक के साथ
सेफ्टी बैलून, पॉवर विंडो, पॉवर स्टीयरिंग के साथ, मनमोहक रंगों में उपलब्ध

एक घंटे में फुल बैटरी चार्ज
एक चार्ज में चले 80 की.मी. प्रति घंटे की रफ़्तार से
कार की बुकिंग पर आकर्षक गिफ्ट हैंपर

संपर्क करें : बाबा कार सेण्टर
माध्यम मार्ग, हीरापुरा, जयपुर
15. मोबाइल न. 1234XXXXXX

अथवा

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

5 सितम्बर, 2021
प्रात: 11:00 बजे
परमश्रद्धेय गुरुवर,

ज्ञान ज्योति प्रज्वलित करके दूर किया अज्ञान का अंधकार,
जीवन पथ पर राह दिखाई, दिए मनुष्यता के संस्कार।
आत्मबल, उत्साह बढ़ाकर सद्कर्मों का दिया है ज्ञान,
शत-शत वंदन करते गुरुवर, हर पल करते आपका गुणगान।।

आपने अपने असीमित ज्ञान से हमारा जीवन पथ आलोकित कर कर्त्तव्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। आपका कोटिशः धन्यवाद। हम शिक्षार्थी सदैव आपके स्नेह एवं मार्गदर्शन के लिए आपके ऋणी रहेंगे।
आपका शिष्य परम